(ख) महानदी कोलफील्ड्स लि. की 3-4-1992 को स्थापना की गई । 1992-93 तथा 1993-94 (अनंतिम) के दौरान महानदी कोलफील्ड्स लि. में कोयला उत्पादन क्रमशः 23.14 मिलियन टन तथा 24.30 मिलियन टन था ।

(ग) कोयला उत्पादन बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों में अन्य बातों के साथ-साथ, नई खानें खोलना, वर्तमान खानों का आधुनिकीकरण, अधिकतम उत्पादन के लिए नई प्रौद्योगिकी को अपनाना तथा समय पर आगत तथा अवसंरचनात्मक सुविधाएं उपलब्ध कराना शामिल है ।

(घ) और (ङ) आठवीं योजना के अंतिम वर्ष के लिए कोयला उत्पादन का लक्ष्य 308 मिलियन टन है । प्रस्तावित लक्ष्य को वर्तमान खानों, चालू परियोजनाओं तथा सरकारी एवं निजी क्षेत्र से उत्पादन प्राप्त करके प्राप्त किया जाना है ।

पूंजीगत व्यय हेतु कोल इण्डिया लिमिटेड को उपलब्ध करायी गयी धनराशि

5284. **श्री गोपालसिंह जी सोलंकी** : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान योजना परिव्यय हेतु पूंजीगत व्यय के लिए कोल इण्डिया लिमिटेड को 10,499 करोड़ रुपए की धनराशि उपलब्ध कराए जाने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो अब तक विकसित की गई भूमिगत और खुले मुहाने की खानों (खोली जाने वाली खुले मुहाने की नई खानों सहित) का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या कोककारी कोयला (कोकिंग कोयला) प्राप्त करने हेतु भूमिगत खानों का विकास करने के लिए सुझाव आमंत्रित किए गए हैं;

(घ) क्या वर्ष 1994-95 के दौरान योजना आयोग ने अन्य कोयला खानों के विकास हेतु खान-वार और योजना-वार धन आबंटित किया है;

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(च) इस संबंध में कार्यवाही की गई है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) योजना आयोग ने को. इ. लि. के मामले में आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के लिए (1991-92 की कीमतों पर) 8520 करोड़ रुपए की परिव्यय की राशि की सिफारिश की है ।

(ख) कुल परिव्यय के खनन परियोजनाओं पर 7172 करोड़ रुपए की राशि खनन परियोजनाओं पर व्यय किए जाने का प्रस्ताव है । इसमें भूमिगत खानों तथा ओपेनकास्ट खानों की हिस्सेदारी क्रमशः लगभग 28% तथा 72% की है ।

(ग) जी, हां। केन्द्रीय खान आयोजन एवं डिजाइन संस्थान लि. को कोककर कोयले के उत्पादन में वृद्धि किए जाने के लिए नई भूमिगत खानों को विकसित किए जाने की संभावनाओं की जांच किए जाने का निर्देश दिया गया है ।

(घ) और (ङ) वर्ष 1994-95 के लिए विद्यमान खानों, पूरी हुई परियोजनाओं, चालू परियोजनाओं और नई परियोजनाओं में

निधियों के आबंटन को नीचे दर्शाया गया है :—

	(करोड़ रुपए में)
1. विद्यमान खानें और पूरी हुई परियोजनाएं	266.38
2. चालू परियोजनाएं	1312.43
3. नई परियोजनाएं	45.72
खनन	1624.53
गैर-खनन	417.47
के. खा. आ. डि. सं. लि.	9.00
डी. सी. सी.	11.90
	2062.90

(च) कोयला कम्पनियों से तद्नुसार परियोजनाओं को क्रियान्वित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं ।

INDIA'S MAJOR EXPORT PARTNERS

5285. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that six countries of the World account for 50 per cent of country's exports;

(b) if so, whether Government propose to expand further its export to other countries; and

(c) if so, details of the plan in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE, (SHRI KAMALUDDIN AHMED): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) It is the policy of the Government to boost exports and diversify the same in terms of commodity & country coverage. Export promotion is a continuous and ongoing process and steps are taken to boost exports in consultation with trade, industry and export promotion organisations. Efforts are also being made to increase exports to new countries like South Africa, Israel etc.

गुजरात सरकार द्वारा मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाने हेतु प्रस्ताव

5286. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को गुजरात सरकार से राज्य में एक नया मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाने हेतु कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;

(ख) यदि हां, तो ऐसे क्षेत्र बनाने हेतु राज्य सरकार द्वारा कौन-कौन से स्थानों का सुझाव दिया गया है; और

(ग) इस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कमालुद्दीन अहमद) : (क) जी, नहीं ।

(ख) तथा (ग) प्रश्न नहीं उठता ।

Poor Export Performance of Coal India

5287. DR. NAUNIHAL SINGH : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that though Coal India Limited being the third largest in the World, its exports were to the extent of only 0.12 million tonnes in 1993-94 valued at Dollar 6 million or Rs. 18.70 crores which does not even account for 1 per cent of global export market;

(b) if so, what are the valid reasons for such a poor performance; and